

সহীহ ইবনু হিব্বান (হাদিসবিডি)

হাদিস নাম্বারঃ ১৮৩৬

৯. কিতাবুস সালাত (کتاب الصلاة)

পরিচ্ছেদঃ আমরা যা উল্লেখ করলাম তাছাড়াও অন্য সূরা ইশার সালাতে পাঠ করা বৈধ

ذِكْرُ الْإِبَاحَةِ لِلْمَرْءِ أَنْ يَقْرَأُ فِي صَلَاةِ الْعِشَاءِ الْآخِرَةِ بِغَيْرِ مَا وَصَفْنَا مِنَ السُّورِ

আরবী

1836 ـ أَخْبَرَنَا مُحَمَّدُ بْنُ عُمَرَ بْنِ يُوسُفَ قَالَ: حَدَّثَنَا نَصْرُ بْنُ عَلِيِّ الْجَهْضَمِيُّ قَالَ: أَخْبَرَنَا سُفْيَانُ عَنْ أَبِي الزُّبَيْرِ عَنْ جَابِرٍ: أَنَّ النَّبِيَّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ أَمَرَ مُعَاذًا أَنْ يَقْرَأً فِي صَلَاةِ الْعِشَاءِ {وَالشَّمْسِ وَضُحَاهَا} [الشمس: 1] {والليل إذا يغشى} [الليل: يَقْرَأً فِي صَلَاةِ الْعِشَاءِ {وَالشَّمْسِ وَضُحَاهَا} [الشمس: 1] والليل إذا يغشى} [الليل: 1] و {سبح اسم ربك الأعلى} [الأعلى: 1] {والضحى} [الضحى: 1] ونحوها من السور الراوي: جَابِر ا المحدث: العلامة ناصر الدين الألباني ا المصدر: التعليقات الحسان على صحيح ابن حبان الصفحة أو الرقم: 1836 ا خلاصة حكم المحدث: صحيح ـ ((صفة الصلاة))

বাংলা

১৮৩৬. জাবির রাদিয়াল্লাহু আনহু থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, "রাসূল সাল্লাল্লাহু আলাইহি ওয়া সাল্লাম মুয়ায বিন জাবাল রাদিয়াল্লাহু আনহুকে ইশার সালাতে সূরা শামস, সূরা লাইল, সূরা আ'লা, সূরা দুহা -এই জাতীয় সূরা পাঠ করার নির্দেশ দিয়েছেন ।[1]

ফুটনোট

[1] সহীহ মুসলিম: ৪৬৫; ইবনু মাজাহ: ৮৩৬; আবূ আওয়ানা: ২/১৫৭।

আল্লামা শুআইব আল আরনাউত রহিমাহুল্লাহ হাদীসটিকে মুসলিমের শর্তে সহীহ বলেছেন। আল্লামা নাসিরুদ্দিন আলবানী রহিমাহুল্লাহ হাদীসটিকে সহীহ বলেছেন। (সিফাতুস সালাত)

হাদিসের মান: সহিহ (Sahih) পুনঃনিরীক্ষিত



পাবলিশারঃ হাদিসবিডি 🛘 বর্ণনাকারীঃ জাবির ইবনু আবদুল্লাহ আনসারী (রাঃ)

👲 হাদিসবিডির প্রজেক্টে অনুদান দিন